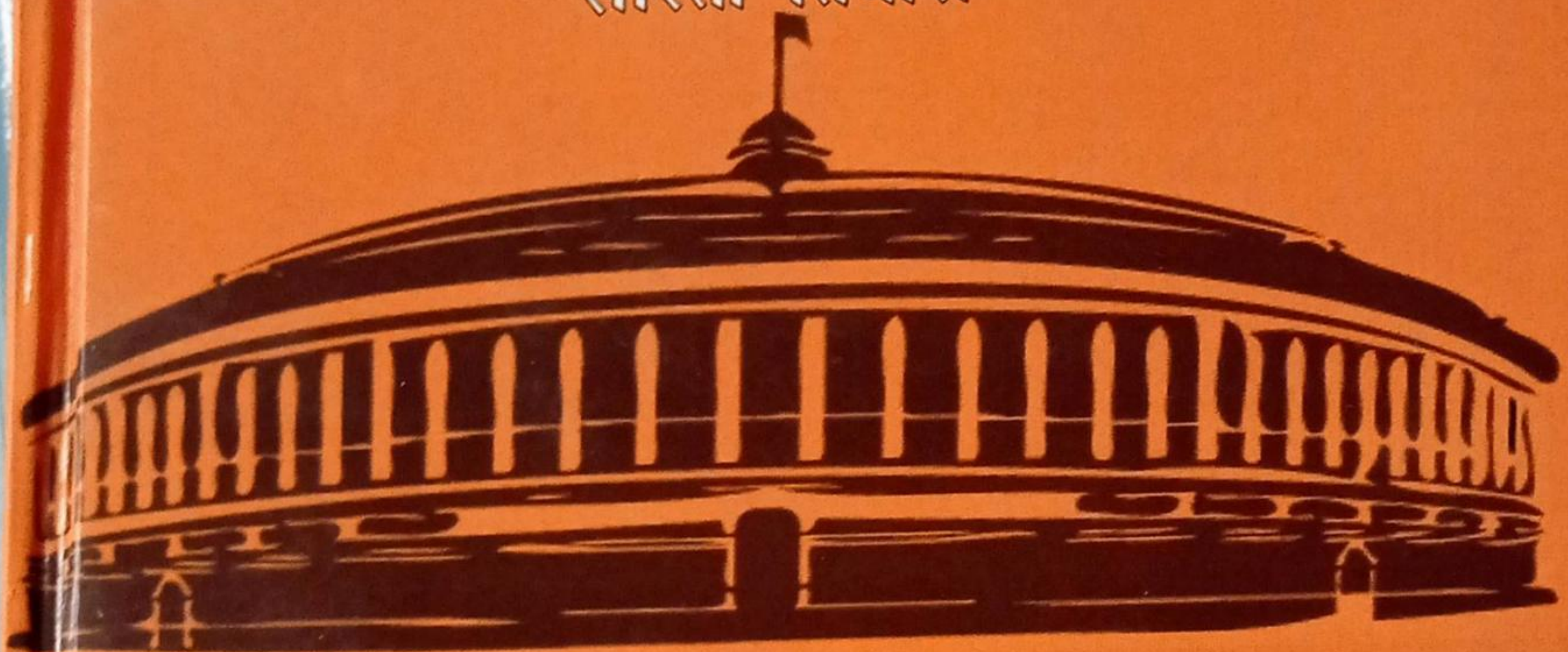


भारतीय
राजनीति
एवं
लोकतंत्र की विसंगतियाँ

सरिता तिवारी



अनुक्रम

	प्रस्तावना	(vii)
1.	विषय-बोध	1
	भारतीय राजनीतिक प्रणाली एवं शासन	7
	भारतीय राजनीति का भविष्य	12
	भारतीय राजनीति में गैर-कांग्रेसवाद	15
	भारतीय राजनीति की विडंबना	17
	भारतीय राजनीति में आधुनिकता और परम्परा का स्वरूप	19
	भारतीय राजनीति और वर्तमान स्थिति	26
2.	भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियां	29
	भारत में लोकतंत्र के प्राचीनतम प्रयोग	31
	लोकतंत्र की अवधारणा	35
	लोकतंत्र की आवश्यकता	51
	भारतीय लोकतंत्र	52
	भारतीय लोकतंत्र कहाँ जा रहा है?	56
	भारत में लोकतंत्र सफल है या विफल?	64
3.	भारतीय राजनीति एवं लोकतंत्र में भ्रष्टाचार	66
	भारत में राजनीतिक भ्रष्टाचार	68
	भारत में राजनीति और भ्रष्टाचार का इतिहास	70
	भ्रष्टाचार के कारण	74
	भ्रष्टाचार की रोकथाम के उपाय	79

4.	हिंसा, नक्सलवाद और भारतीय राजनीति	85
	हिंसा का अर्थ	87
	हिंसा के आवश्यक तत्व	88
	हिंसा के प्रकार	88
	हिंसा की उत्पत्ति	90
	हिंसा की प्रमुख समस्या	91
	हिंसा को रोकने के उपाय	91
	नाजुक दौर में लोकतंत्र	92
	नक्सलवाद	93
	भारत में नक्सलवाद का उद्भव एवं विकास	104
	भारत में नक्सलवाद की वर्तमान स्थिति	109
	नक्सलवाद के दुष्प्रभाव	113
	नक्सलवाद का बढ़ता प्रभाव	116
5.	राजनीति में घोटानाचार और अपराध	136
	राजनीति का अपराधीकरण	137
	अपराध का राजनीतिकरण	142
	सरकार और अपराध	143
	राजनीतिज्ञ और अपराध	143
	अपराध के कारण	144
	श्वेतपोश अपराध	149
	श्वेतपोश अपराध की विशेषताएँ	150
	विभिन्न प्रकार के श्वेतपोश अपराध	151
	श्वेतपोश अपराध के कारण	152
	श्वेतपोश अपराधों का प्रभाव	156
	श्वेतपोश अपराध का उन्मूलन	158
6.	भारतीय राजनीति एवं जातिवाद	160
	जातिवाद की परिभाषा और अर्थ	162
	भारतीय राजनीति में जातिवाद का विकास	163
	जातिवाद के विकास के कारक	168
	जातिवाद के परिणाम	170
	जातिवाद के निराकरण के उपाय	171

चुनावों में जाति की राजनीति	174
वर्तमान स्थिति की समीक्षा	175
7. भारतीय राजनीति एवं साम्प्रदायवाद	184
साम्प्रदायिकता का जन्म तथा विकास	191
वर्तमान भारत में साम्प्रदायिकता	197
साम्प्रदायिकता के दुष्परिणाम	199
साम्प्रदायिकता को दूर करने के सुझाव	201
साम्प्रदायिकता सौहार्द के लिये 7 सूत्री कार्यक्रम 1976	202
भारतीय राजनीति के साम्प्रदायिक विरोधाभास	204
8. भारतीय राजनीति और क्षेत्रवाद	207
क्षेत्रीयता का अर्थ	209
क्षेत्रवाद की प्रकृति	211
क्षेत्रवाद के विकास के कारक	213
क्षेत्रवाद का दुष्परिणाम	215
क्षेत्रवाद को रोकने के उपाय	217
9. अशिक्षा	218
भारत में शिक्षा के रूप	219
शिक्षा का महत्त्व	221
शिक्षा के कार्य	223
शिक्षा और समाज का जुड़ाव	231
शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन	233
भारत में शिक्षा तथा आधुनिकीकरण	234
स्वतन्त्रता और उसके बाद शिक्षा का विकास	236
शिक्षा का लोकतंत्र में योगदान	239
10. वर्तमान राजनीति की दिशा	243